



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 542] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 17, 1985/अग्रहायण 26, 1907
No. 542] NEW DELHI, TUESDAY, DEC. 17, 1985/AGRAHAYANA 26, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके ।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

परिवहन मंत्रालय

(जल भूतल परिवहन विभाग)

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1985

शुद्धि पत्र

मा. का. नि. 904(अ).—भारत के राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (1) के
असाधारण अंक में भारत सरकार, परिवहन मंत्रालय (जल भूतल परिवहन विभाग)
का अधिसूचना संख्या मा. का. नि. 849(अ) दिनांक 15 नवम्बर, 1985 को प्रकाशित
हुई थी । उक्त अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन किए जाएं :—

(1) नियम 2 (1) में 'सदस्यों' के स्थान पर 'प्रयटको' और 'सामान्य
प्रयोजन के स्थान पर 'प्रयटक उद्देश्य' रखा जायेगा ।

- (2) नियम 2 (2) में 'राज्य परिवहन प्राधिकारी' के स्थान पर 'राज्य परिवहन प्राधिकरण', 'डाक भेजी' के स्थान पर 'डाक द्वारा भेजी' और 'परमिट धारक' के स्थान पर 'प्रचालक' रखा जाएगा ।
- (3) नियम 2 (3) में शब्द 'समाप्त करेगा' हटा दिए जायेंगे ।
- (4) नियम 2 (6) में 'यात्रियों' के स्थान पर 'भाड़े पर लेने वालों' रखा जायेगा ।
- (5) नियम 2 (7) में 'राज्य की गाड़ियों' के स्थान पर 'मंजिली गाड़ियों' रखा जायेगा ।

[फाइल सं. टी. डब्ल्यू./टी.जी.एम./53/85]

अ. प्र. सिंह, संयुक्त सचिव